

गंधाम्ना स्त्री. (तत्.) जंगली नींबू।

गंधायित वि. (तत्.) गंधयुक्त, सुवासित।

गंधार पुं. (तत्.) दे. गांधार।

गंधारव पुं. (तत्.) छछूंदर।

गंधारी स्त्री. (तत्.) दे. गांधारी।

गंधाली स्त्री. (तत्.) 1. प्रसारिणीलता, गंधपसार 2. भिड़, ततैया।

गंधानु वि. (तत्.) गंधयुक्त, खुशबूदार, सुगंधित।

गंधाविरोजा पुं. (तद्.) एक प्रकार का गोंद जिसका मरहम फोड़े आदि पर लगाते हैं, चंद्रस पर्वा. श्रीवास, श्री वेष्ट, वृक्ष धूपक, श्री पिष्ट, श्री रस, धूपांग, तिलर्ण।

गंधाशन पुं. (तत्.) पवन, वायु।

गंधाश्मा पुं. (तत्.) गंधक।

गंधाष्टक पुं. (तत्.) आठ गंध द्रव्यों का मिश्रण, अष्ट गंध।

गंधिक वि. (तत्.) गंधयुक्त, सुगंधित।

गंधिनी पुं. (तत्.) गंधी, इत्रफरोश, गंधक स्त्री. मदिरा, गंधद्रव, शराब।

गंधिया पुं. (देश.) दुर्गंध करने वाला एक बरसाती कीड़ा एक फुनगा जो धान आदि की फसल को नुकसान पहुँचाता है।

गंधी पुं. (तत्.) 1. सुगंधित, तेल, इत्र बेचने वाला, अत्तर 2. गंधिया नाम की घास, खटमल।

गंधेंद्रिय स्त्री. (तत्.) घ्राणेंद्रिय नासिका, नाक।

गंधेल पुं. (तद्.) एक वृक्ष जिसकी पत्तियाँ मसाले के और छाल, जड़ आदि दवा के काम आती हैं।

गंधैला स्त्री. (तद्.) 1. एक चिड़िया 2. गंधप्रसारिणी लता।

गंधोत्कट पुं. (तत्.) दौना, दमनक।

गंधोत्तमा स्त्री. (तत्.) इत्रफरोश, गंधी, गंध विक्रेता।

गंधोली स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की सुगंधित लता जिसकी जड़ दवा के काम आती है।

गंधोष्ठीय पुं. (तत्.) सिंह।

गंधौतु पुं. (तत्.) गंध विलाव।

गंभारी स्त्री. (तत्.) एक पेड़ जिसकी छाल और फल दवा के काम आती हैं टि. 1. इसकी छाल सफेद रंग की होती है, उसमें से दूध निकलता है, इसके फूल और फल पीले होते हैं, वैद्यक में यह भारी, दीपक, पाचक, मेधा जनक तथा रेचक मानी गई है 2. गंभारी की लकड़ी वर्षों तक जल में रहने पर भी खराब नहीं होती 3. गंभारी के पत्तों का पीछे का हिस्सा बहुत सफेद होता है इसका प्रयोग आमशूल, बवासीर, शोध, क्षपी और ज्वरादि में होता है, फल पकने पर कसैला और खट्टा-मीठा होता है पर्वा. कश्मीर, श्रीपर्णी, मधुपर्णी, भद्रपर्णी, भद्राकृष्णफल, कटफल, कंभारी, कुमुदा, हीरा, सर्वतोभद्रिका, महामुद्रा, रोहिणी, मधुमती, सुफला, मधुरसा।

गंभीर वि. (तत्.) 1. सौम्य, शांत 2. जिसके अर्थ तक पहुँचना कठिन हो 3. गहरा, जिसकी तह जल्दी न मिले, जिसमें जल्दी घुस न सके, घना, गहरा 5. घोर, भारी जैसे- गंभीर नाद 6. रहस्यमय जैसे- गंभीर साधना।

गंभीर ज्वर पुं. (तत्.) मल के रुक जाने से, जलन से, श्वास खाँसी से उत्पन्न ज्वर।

गंभीर वेदी पुं. (तत्.) अंकुश की परवाह न करने वाला हठीला मत्त हाथी।

गंभीरक वि. (तत्.) गहरा, गंभीर।

गंभीरा स्त्री. (तत्.) एक नदी।

गंभीरिका स्त्री. (तत्.) एक बड़ा ढोल।

गँवई स्त्री. (देश.) 1. छोटा गाँव 2. गाँव।

गँवाऊ वि. (देश.) गँवाने वाला, उड़ाने वाला बिलो. कमाऊ।

गँवाना स.क्रि. (देश.) खोना, नष्ट करना या नष्ट हो जाने देना जैसे- लोभ से उसने अपने हाथ की पूँजी भी गँवा दी।

गँवार वि. (देश.) 1. असभ्य 2. बेवकूफ, मूर्ख, अनाड़ी, नासमझ 3. गाँव का रहने वाला, ग्रामीण, देहाती।